

SALToC Project

Title: Ālocanā (Delhi, India)

Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī

OCLC: 4094931

No. 39 (Oct-Dec 2010)

TOC Provided by Center for Research Libraries

# आलोचना

त्रैमासिक

सहस्राब्दी अंक **उन्तालीस**  
अक्टूबर-दिसम्बर 2010

प्रधान सम्पादक  
नामवर सिंह

सम्पादक  
अरुण कमल

सहसम्पादक  
आर. चेतनक्रान्ति

कला सम्पादक  
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक  
अशोक महेश्वरी

## सूचक्रम

- सामाजिकीय : हमारे समय के स्वप्न 5
- 1911-2011
- प्रो. बहादुर सिंह से बातचीत : चन्द्रेश्वर 7
- प्रो. चेतनक्रान्ति की कविताएँ 9
- भक्ति
- प्रो. स्वराज और आधुनिक सभ्यता का संकट : प्रभाष जोशी 12
- प्रो. मान : उपन्यास और चरित्र : मार्कण्डेय 19
- आधुनिकता
- प्रो. बोल के: लब आज़ाद हैं तेरे : रसाल सिंह 22
- प्रो. और 'उनकी नज़में' : क्रान्ति 28
- प्रो. मोहम्मद दीन अहमद : व्यक्ति और आलोचक : इम्तेयाज़ अहमद 32
- प्रो. शशि कुशवाह की कविताएँ 37
- प्रो. भारतीय परम्परा में ज्ञान का मूल्य-अनुक्रम : हेतुकर झा 40
- प्रो. हाँ जाऊँ, दिल्ली या उज्जैन : चन्द्रकांत देवताले 45
- प्रो. ए.एस. इलियट और रचना-प्रक्रिया : कृष्णदत्त शर्मा 49
- प्रो. आधुनिक कालीन आलोचना और सिद्धान्त : संजय कुमार 56
- प्रो. विमल विभाकर की कविताएँ 62
- प्रो. शशि का काम संघर्ष
- प्रो. गोलू कवि वरवर राव से अरुण कमल की बातचीत 64
- प्रो. शशि चर्चा : हमारे समय के स्वप्न
- प्रो. शशि करें छिन्न-भिन्न दुःस्वप्नों का घटाटोप : चन्द्रकांत देवताले 76
- प्रो. शशि जो अधूरे हैं मगर टूटे नहीं हैं : रमेश उपाध्याय 78
- प्रो. शशि और स्वतंत्रता : मैत्रेयी पुष्पा 83
- प्रो. शशि गौरैया और हाथीदाँत के डिब्बे में रखा मोती : राजेश जोशी 87

हमारे समय के स्वप्न : विष्णु नागर 90  
संशयग्रस्त सपनों का समय : मदन कश्यप 93  
जागी आँखों के साझे सपने... : प्रेमरंजन अनिमेष 95  
खंडित सपनों के खिलाफ : वेद प्रकाश 100  
एक सपना समाजवाद : विष्णु देव 106

**मूल्यांकन**

श्वेत-श्याम अनुभूतियों की कविताएँ : श्रीनिवास शर्मा 110  
साक्षी साक्षात्कार : मधुरेश 113  
वियतनाम में भारत : प्रेम कपूर 117